2018

(April)

HINDI

(Elective/Honours)

(Hindi Gadya-Sahitya)

(HIN-EL-2)

Marks : 75

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

Answer **all** questions

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) 15 अगस्त, '47 के बाद स्वदेशी शासकों के रंग-ढंग देखकर दयानाथ अंदर-ही-अंदर कुढ़ता रहा और जीवनाथ को जब-तब समझाता रहा। भतीजा बाकी सबकुछ सुन लेता था लेकिन नेहरू की आलोचना उसके लिए असह्य थी।

(Turn Over)

(ख) पिता वैसे तो चुप रहते हैं, लेकिन जब बात बहस में उन्हें खींचा जाता है, तो काफी करारी हिंसात्मक बात कह जाते हैं। उल्टे, उन्हें घेरनेवाले हम भाई-बहन अपराधी बन जाते हैं।

(ग) जात ले जात, टके सेर जात। एक टका दो, हम अभी अपनी जात बेचते हैं। टके के वास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जायँ और धोबी को ब्राह्मण कर दें, टके के वास्ते जैसी कहो वैसी व्यवस्था दें। टके के वास्ते झूठ को सच करैं। टके के वास्ते ब्राह्मण से मुसलमान, टके के वास्ते हिन्दू से क्रिस्तान।

(घ) मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभावशाली होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब-की-सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

(ङ) फिर कुछ रुककर, जैसे बुझी हुई आग में एक चिनगारी चमक उठे, उन्होंने धीमे स्वर में कहा, ''मैंने सोचा था कि बरसों तुम सबसे अलग रहने के बाद, अवकाश पाकर परिवार के साथ रहूँगा। खैर, परसों जाना है। तुम भी चलोगी?''

2. उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'बाबा बटेसरनाथ' की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'बाबा बटेसरनाथ' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(Continued)

3. कहानी-कला की दृष्टि से 'जयदोल' कहानी की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'जिन्दगी और जोंक' कहानी के आधार पर रजुआ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. 'अंधेर नगरी' नाटक की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'अंधेर नगरी' नाटक के किन्हीं तीन पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. 'देवदारु' निबंध के मूलभाव को रेखांकित कीजिए। 15

अथवा

'क्रोध' निबंध में अभिव्यक्त शुक्लजी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

★★★